

## एडवांस टोड आर्टिलरी गन ससि्टम (एटीएजीएस)

हाल ही में स्वतंत्रता दिवस पर स्वदेश में विकसित होवतिज़र तोप ATAG लाल कल्ले पर 21 तोपों की सलामी का हसिसा बनी ।



## एडवांस टोड आर्टिलरी गन ससि्टम (ATAGS)

### ■ परचिय:

- ATAGS स्वदेशी 155 ममी x 52 कैलबिर की होवतिज़र तोप है ।
- होवतिज़र लंबी दूरी की तोपों की श्रेणी के लिये व्यापक शब्द है ।
- इसे [रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन \(DRDO\)](#) द्वारा विकसित किया गया है, जिसकी पुणे स्थिति सुवधा आयुध अनुसंधान और विकास प्रतष्ठान (ARDE) नोडल एजेंसी है ।
- ATAGS परियोजना की [शुरुआत वर्ष 2013 में DRDO](#) द्वारा भारतीय सेना में पुरानी तोपों को आधुनिक 155 ममी. आर्टिलरी गन से बदलने के लिये की गई थी ।

### ■ वशिषताएँ:

- ATAGS की आयुध प्रणाली में मुख्य रूप से बैरल, बरीच मैकेनिज़्म, मज़ल बरेक और रकिॉइल मैकेनिज़्म शामिल है, जो सेना द्वारा लंबी दूरी और सटीकता के साथ 155 ममी कैलबिर गोला बारूद को फायर करता है और सेना को अधिक मारक क्षमता प्रदान करता है ।
- लंबे समय तक रखरखाव मुक्त और वशिषसनीय संचालन सुनिश्चित करने के लिये ATAGS को सभी इलेक्ट्रिक ड्राइव के साथ कॉन्फिगर किया गया है ।
- इसमें उच्च गतशीलता, त्वरति तैनाती, सहायक पावर मोड, उन्नत संचार प्रणाली, स्वचालित कमांड और नियंत्रण प्रणाली के साथ रात में सीधे फायर मोड में फायरिंग क्षमता के मामले में उन्नत वशिषताएँ हैं ।
- वशिष गन ससि्टम C4I (कमांड, कंट्रोल, कम्युनिकेशन, कंप्यूटर और इंटेल्जिंस) आर्टिलरी कॉम्बैट कमांड एंड कंट्रोल ससि्टम (ACCCS) के साथ संगत है, जिससे तकनीकी फायर कंट्रोल, फायर प्लानिंग, तैनाती प्रबंधन और सेना के परिचालन रसद प्रबंधन के लिये शक्ति कहा जाता है ।

### ■ भविष्य की भूमिका:

- DRDO द्वारा ATAGS की विकास प्रक्रिया पूर्ववर्ती [आयुध निर्माणी बोर्ड](#) के उन्नत हथियार और उपकरण भारत के लिये [हॉवतिज़र धनुष के विकास के समान](#) है ।
- [वर्ष 2019](#) में, सेना और रक्षा मंत्रालय ने 114 हॉवतिज़र धनुष के उत्पादन के लिये थोक उत्पादन मंजूरी प्रदान की थी ।
- आने वाले दिनों में, [ATAGS](#) और [धनुष](#) पुराने [आर्टिलरी ससि्टम](#) को सफलतापूर्वक प्रतस्थापित कर देंगे ।

## [स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस](#)

